बूंद -बूंद से

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 133)

➢ माधो के गाँव के लोग पीने का पानी कहाँ से लाते हैं?

उत्तर माधो के गाँव के लोग पीने का पानी तालाब से लाते हैं जो कि गाँव से काफी दूर है। कभी-कभी उन्हें रेल से पानी मिलता है। कभी टाँके से पानी लेने की इजाजत मिल जाती है।

➢ माधो के घर में पानी भर कर कौन लाता है?

उत्तर माधो के घर में उसकी माँ और बहन तालाब से पानी भर कर लाती हैं। उसके पिताजी ऊँट-गाड़ी से पानी लाने जाते हैं। कभी-कभी माधो टाँके से पानी लाता है।

➢ टाँके का पानी ज्यादातर पीने के काम में ही आता है। क्यों?

उत्तर टाँके का पानी छना और ढका होता है। इसलिए टाँके का पानी ज्यादातर पीने के काम आता है।

➢ अब तुम बताओ, क्या तुम्हारे घर में भी बारिश का पानी इकट्ठा किया जाता है? यदि हाँ, तो कैसे?

उत्तर नहीं, हमारे घर में बारिश का पानी इकट्ठा नहीं किया जाता है।

➢ क्या पानी को इकट्ठा करने का कोई और तरीका भी हो सकता है?

उत्तर हाँ, पानी को बाल्टियों, ड्रमों, और टंकियों में इकट्ठा किया जा सकता है। इसे छत के ऊपर भी जमा किया जा सकता है।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 134)

➢ चित्र में दिखाए तरीके से प्रयोग करो, पता लगाओ और खाली डिब्बे में लिखो।

उत्तर

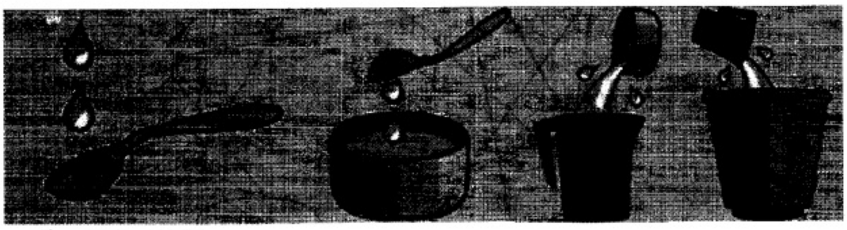

➢ एक चम्मच में कितनी बूँदे?

उत्तर पाँच बूँद।

➢ एक कटोरी में कितने चम्मच?

उत्तर पचास चम्मच।

➢ एक मग में कितनी कटोरी?

उत्तर पाँच कटोरी।

➢ एक बाल्टी में कितने मग?

उत्तर बीस मग।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 135)

➢ पानी की बचत के लिए तुम क्या सोच सकते हो? अपना सुझाव लिखो।

उत्तर पानी की बचत निम्न तरीके से की जा सकती है–

1. नल को अच्छे से बंद करके रखना चाहिए।
2. नल को खुला नहीं रखना चाहिए।
3. जब तुम ब्रश और स्नान कर रहे होते हो तो नल को खुला नहीं रखना चाहिए।
4. स्नान करने के लिए हमेशा बाल्टी का इस्तेमाल करना चाहिए, न कि झड़ने का।
5. कपड़े धुलने के बाद बचे पानी को बगीचे के पौधे में डालना चाहिए।
6. पाइप टूटने के बाद उसकी मरम्मत तुरंत करवानी चाहिए।

➢ क्या तुमने घर में, स्कूल में या रास्ते में पानी को बेकार बहते देखा है? कहाँ?

उत्तर स्वयं करो।

➢ चित्र देखो और चर्चा करो–क्या एक बार पानी से काम करने के बाद उसी पानी से कुछ और काम कर सकते हैं?

उत्तर हाँ, एक बार पानी से काम करने के बाद उसी पानी से कुछ और काम कर सकते हैं। उदाहरण के लिए; सब्जी धोने के बाद हम उसी पानी को पौधों में डाल सकते हैं। इस पानी को हम पोंछा लगाने में भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 136)

➢ अलग-अलग रंगों से लाइनें खींचकर दिखाओ, किस काम के बाद क्या काम करोगे, जिससे वही पानी बार-बार इस्तेमाल हो सके। एक उदाहरण नीचे दिया गया है।

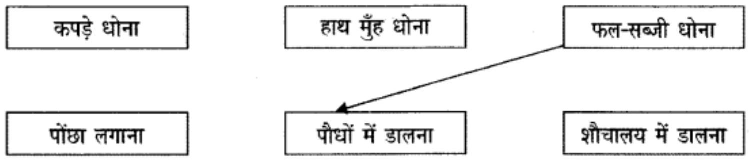

उत्तर